Ranchi University
NEWSLETTER
February 2022

दीक्षांत समारोह में गोल्ड मेडलिस्टों व पीएचडी धारकों को ही मिलेगी डिग्री

विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित–समारोह में शामिल होने के लिए विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। 1 मार्च से 31 दिसम्बर 2021 के बीच स्नातकोत्तर, एमडी, एमएस, एमफिल, पीएचडी, डीएससी व डिलीट परीक्षा में उत्तीर्ण हुए विद्यार्थी दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होने के लिए आवेदन रांची विश्वविद्यालय की वेबसाइट– www.ranchi university.ac.in से विहित प्रपत्र डाउनलोड कर सकते हैं। रांची विश्वविद्यालय का 35वां दीक्षांत समारोह चार फरवरी को होगा। इसकी तैयारियों को लेकर बुधवार को कुलपति डॉ. कामिनी कुमार की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय पदाधिकारियों व सभी डीन की एक बैठक हुई। इसमें समारोह के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल रमेश बैस होंगे। परीक्षा नियंत्रक डॉ. आशीष कुमार झा ने बताया कि समारोह में सभी विषयों के गोल्ड मेडलिस्ट और पीएचडी उपाधि धारकों को ही डिग्री प्रदान की जाएगी। शेष डिग्रियां संबंधित विभागों और कॉलेजों में दी जाएगी। कुलपति ने वित्त पदाधिकारी डॉ. एएन शाहदेव को निर्देश दिया कि समारोह के सफल संचालन के लिए बजट बनाकर वित्त समिति के समक्ष प्रस्तुत कर, इस पर सहमति ली जाए।

रांची विवि. नामांकन का फिर मिल सकता है मौका

रांची (रांची विवि) के नये सत्र 2021–23 के ळिए जारी की गयी पहली मेरिट लिस्ट के आधार पर नामांकन की तिथि 20.01.2022 को समाप्त हो गयी। वहीं पीजी के कुछ विषयों में नामांकन के लिए विद्यार्थियों को आवेदन देने का मौका फिर से मिल सकता है। डीएसडब्ल्यू डॉ. राजकुमार शर्मा ने बताया कि 21.01.2022 शुक्रवार को नामांकन की दूसरी सूची और आगे की प्रक्रिया पर निर्णय लिया जा सकता है।

गोस्सनर कॉलेज आईक्यूएसी की बैठक हुई

गोस्सनर कॉलेज में आईक्यूसी की नवगठिति टीम की पहला बैठक 21.01.2022 शुक्रवार को कॉलेज परिसर में हुई। इसकी अध्यक्षता कॉलेज की प्रोफेसर इंचार्ज इलानी पूर्ति ने की। नई टीम के सदस्यों का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि हम सबको कॉलेज के विकास के लिए मिलजूल कर कार्य करना है। कहा कि नई टीम अपने उत्साह से इस कॉलेज को शिखर में जरूर पहुँचाएगी। आईक्यूएसी के नवनियुक्त संयोजक डॉ. अजय कुमार ने कहा कि हमें लक्ष्य निर्धारित करना है और लक्ष्य तक पहुँचना है।

पीजी के 19 विषयों में नामांकन के लिए फिर खुला चांसलर पोर्टल

रांची विश्वविद्यालय ने पीजी के 19 विषयों में नामांकन के लिए फिर से चांसलर पोर्टल खोल दिया है। चांसलर पोर्टल के माध्य मसे 24 जनवरी तक आवेदन किया जा सकता है। वहीं कुछ विषयों में अधिक आवेदन आने की वज स से आवेजन प्रक्रिया बंद कर दी गय है। इसमें इंग्लिश, ज्योग्राफी, कुरमाली, पंचपरगनिया, बॉटनी, जूलॉजी, केमिस्ट्री, मैथ्स, जियोलॉजी और कॉमर्स शामिल है। डीएसडब्ल्यू डॉ राजकुमार शर्मा ने बताया कि इन विषयों के लिए दूसरी मेरिट लिस्ट 24 जनवरी को जारी होगी।

मारवाड़ी कॉलेज पीजी विद्यार्थी रजिस्ट्रेशन स्लिप डाउनलोड कर लें

मारवाड़ी कॉलेज के वैसे विद्यार्थी जो एमए, एमएससी और एमकॉम के सत्र 2021–23 में नामांकन ले चुके हैं, वे आज वे अपना रजिस्ट्रेशन स्लिप चांसलर पोर्टल से डाउनलोड कर सकते हैं। इसके अलावा वैसे छात्र जो अपना पर्सनल डिटेल में सुधार या बदलाव करना चाहते हैं, वह चांसलर पोर्टल में लॉगइन कर ऑनलाइन चेंज रिक्वेस्ट द्वारा 24 जनवरी तक सुधार या बदलाव कर सकते हैं इसके बाद कॉलेज द्वारा अपडेट किया जायेगा। इसके बाद सुधार या बदलाव नहीं होगा।

जेएन कॉलेज

जेएन कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं सांस्कृतिक समिति ने नेताजी की जयंती ऑनलाइन मनायी। मुख्य अतिथि आकाशवाणी जमशेदपुर के चंदन कुमार चंतल ने नेताजी को श्रद्धाजंलि दी और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान के बारे में बताया। प्राचार्य डॉ. एसके झा ने नेताजी की जीवन यात्रा व स्वतंत्रता के लिए उनके संघर्षों को याद करते हुए प्रत्येक विद्यार्थियों को उनके समान जुझारू बनने का संदेश दिया। मुख्य वक्ता डॉ. हर्षमती, डॉ. हीमावती, डॉ. रवि भूषण ने नेताजी के जीवन से प्रेरणा लेने की सलाह दी। छात्र अलीशा व डॉ. श्वेता झा ने देशभक्ति गीत पेश किये। मौके पर डॉ. भारती द्विवेदी मौजूद थीं।

Credentials

Patron : *Vice-Chancellor*
Editor :
Dr RK Sharma, Associate Prof. of English, University Department
Managing Editor :
Dr Kanjiv Lochan, Astt. Prof. of History, University Department
Representatives
Birsa College, Khunti
Naseem Haider
B S College, Lohardaga
Dr. Nikhil Kumar
Doranda College, Ranchi
Dr. Nilu Kumari
Gossner College, Ranchi
Dr. Subrato
J N College, Ranchi
Dr. Soni Tiwari
RLSY College, Ranchi
Dr. Agha Zafar
Mandar College, Mandar
Dr. Bandna Rai
Marwari College, Ranchi
Rahul Kumar
Simdega College, Simdega
Dr. Tiriyo Ekka
School of Humanities (PG Depts.)
Dr. Kumud Kala Mehta
School of Science (PG Depts.)
Dr. Anand Kumar Thakur
University Affaires
NSS Coordinator Dr. Brajesh Kumar
Photographer
Niranjan Kumar
We are looking for representatives for the *Newsletter* from teachers/individuals of the following institutions :
B N J College, Sisai
K O College, Gumla
K C B College, Bero
Marwari College, Ranchi
P P K College, Bundu
Ranchi Women's College
S S Memorial College, Ranchi
Minority Colleges
Registrar's office
School of Commerce
School of Social Sciences

From the editor's desk

Swinging between online and offline modes of class under the shadow of covid-19, Ranchi University campus underwent unprecedented situations marked by exuberantly flamboyant youthful vibration to quite unbearable isolation. Since higher education is fundamentally meant to induce and inculcate thinking, the prevailing circumstances reaffirmed our existence as slave to the acts of providence amidst all claims of overwhelming advancement. Gradually, the upswing towards normalcy is bringing the campus life back with soothing spring gusts.

With the last quarter of academic year (21-22) on anvil, sports and cultural activities in different colleges are on in full swing. Our players proved their talents to become the winners in East Zone Inter-University Championships in Badminton, Hockey, and Athletics. Many of these players have qualified for national games. This achievement is directly an outcome of the constant effort of university towards promoting sporting events at different levels. Our units like NSS and Radio Khanchi are rendering valuable services to society in all the possible ways.The IQAC of university is pushing its best to ensure the best possible grade in upcoming NAAC evaluation. All commendations to these units which are engaged in enhancing the prestige of university.

Since our university is the academic abode of nearly 1.65 lacs of students, rarely any day passes without any memorable activity. As academics, sports and culture are the three pillars that constitute the raw materials for the holistic development of personality, the university successfully provides a suitable platform where the best material is chiseled and churned out.The university arguably considers that producing globally employable students is its goal and accordingly all the available human and material resources within its ambit are appropriately coordinated and utilized to attain this objective.

The university extends warm greetings to all the newly admitted students of postgraduation and wishes all the members of university family a very memorable and vibrant spring.

Dr. Raj Kr Sharma

नेताजी की वीर गाथाओं की गूंज विदेशों में भी : डॉ कामिनी

रांची विवि की कुलपति डॉ. कामिनी कुमार ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस की वीरगाथा एवं पराक्रम भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी सुनायी देता है। वह विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा विवि मुख्यालय के कुलपति सभागार में 22.01.2022 शनिवार को आयोजित नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रही थीं। डॉ. कामिनी ने कहा कि सुभाष चंद्र बोस स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं से अत्याधिक प्रभावित थे और उन्हें अपना आध्यात्मिक गुरू मानते थे। मौके पर डॉ. आशीष कुमार झा, डॉ. ब्रजेश कुमार, डॉ. कमल कुमार बोस, अनुभव चक्रवर्ती आदि मौजूद थे।

निर्मला कॉलेज में हुई ऑनलाइन प्रतियोगिता

निर्मला कॉलेज की एनएसएस इकाई की ओर से राष्ट्रीय बालिका दिवस को लेकर 22.01.2022 को विभिन्न प्रतियोगिताओं का ऑनलाइन मोड में आयोजित किया गया। इनका संचालन एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. सिस्टर सुषमा ने किया। इसमें भाषण, कविता पाठ, पोस्टर निर्माण और निबंध प्रतियोगिताएं शामिल थीं। 50 एनएसएस छात्रओं ने इसमें भाग लिया।

राष्ट्रीय बाल दिवस का विषय था– बेटी का सम्मान, देश का स्वाभिमान। प्रतियोगिताओं के निर्णायक मंडली में डॉ. जया राजलक्ष्मी, डॉ. जेनिफर गुड़िया शामिल थी। भाषण प्रतियोगिता में इंदु कुमारी–प्रथम, रक्षिता राज–द्वितीय, मानसी–तृतीय रहीं। निबंध प्रतियोगिता में संगीता कुमारी–प्रथम, प्राची कुमारी–द्वितीय, प्रतिमा टोप्पो–तृतीय रहीं। कविता पाठ में वेदिका अल्बर्ट–प्रथम, मुस्कान परवीन–द्वितीय और स्वाति कुमारी– तृतीय रहीं।

बालिका दिवस को लेकर कॉलेज में हुई प्रतियोगिता

राष्ट्रीय बालिका दिवस को लेकर 22.01.2022 को मारवाड़ी कॉलेज में प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार की अध्यक्षता में एनएसएस इकाइयों की ओर से ऑनलाइन विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान– अनीशा सोनी, द्वितीय–अनिल राजभर, तृतीय–सुरभि कुमारी को मिला।

कविता प्रतियोगिता में प्रथम स्थान–पूजा कुमारी, द्वितीय– शुभांगिनी गांगुली, तृतीय–बीना पांडेय को मिला। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान–शुभम कुमार दुबे को मिला। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान – शुभम कुमार दुबे को प्राप्त हुआ। प्रतियोगिताओं का संचालन एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रीता कुमारी व अनुभव चक्रवर्ती ने किया।

आरयू: छात्राओं और महिला कर्मियों के लिए टॉल फ्री नंबर होगा जारी

रांची विश्वविद्यालय अपनी छात्राओं, महिला कर्मियों (शिक्षिका/शिक्षकेत्तर) के लिए जल्द ही टॉल फ्री नंबर जारी करेगा। इसके लिए बीएसएनएल को विश्वविद्यालय की ओर से प्रस्ताव दिया जा चुका है। कैंपस में महिला हितैषी वातावरण तैयार करने व कार्यस्थल यौन प्रताड़ना की घटनाओं की रोकथाम के लिए यहकदम उठाया गया है। साथ ही, विश्वविद्यालय के वीमेंस ग्रीवांस रिड्रेसल सेल व इसके अंतर्गत इंटरनल कमेटी (आईसी) का भी पुर्नगठन किया गया। पूर्व कमेटी की पीठासीन पदाधिकारी और सदस्य सेवानिवृत्त हो गई थीं, इसके कारण कमेटी काम नहीं कर पा रही थी।

वेबासाइट पर हेल्पलाइन नंबर जारी होगा : सदस्य सचिव डॉ. स्मृति सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट– www.ranchiuniversity.ac.in, वीमेंस ग्रीवांस सेल व आईसी का लिंक उपलब्ध है। इस पर नेशनल हेल्पाइन नंबर भी जारी किया जाएगा।

प्रो. कुनुल पीठासीन पदाधिकारी: नई पुनर्गठिक कमेटी में बॉटनी विभाग की अध्यक्ष प्रो. कुनुल कांदिर पीठासीन पदाधिकारी हैं। रसायनशास्त्र विभाग की प्राध्यापिका डॉ. स्मृति सिंह सदस्य सचिव हैं। इशके अलावा बतौर सदस्य–अंग्रेजी विभाग के डॉ. सुमित डे, बॉटनी विभाग की डॉ. अनीता मेहता और बाह्य सदस्य के रूप में इनरह्वील क्लब ऑफ रांची साउथ की सदस्य प्रो. मीना सहाय, शिक्षकेत्तर कर्मियों में उग्रेश प्रसाद और अनीता कुजूर शामिल हैं। इसके अलावा एक सलाहकार समिति भी गठित की गई है।, जिसमें वीमेंस कॉलेज की प्राचार्य डॉ. शमुशुन निहार, एनएसएस समन्वयक डॉ. ब्रजेश कुमार समेत 11 सदस्यों के नाम प्रस्तावित किए गए हैं।

राष्ट्रीय बालिका दिवस : आरयू में बेटी का सम्मान–देश का स्वाभिमान विषय पर वेबिनार का आयोजन

बेटियां हर क्षेत्र में लहरा रहीं परचम : डॉ. कामिनी

रांची विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से राष्ट्रीय बालिका दिवस पर 24.01.2022 सोमवार को–बेटी का सम्मान–देश का स्वभिमान विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता कुलपति डॉ. कामिनी कुमार ने की। उन्होंने कहा कि बेटियां भगरान का सबसे

हल-चल

मारवाड़ी कॉलेज डॉ. राजीव बने प्रोफेसर इंचार्ज

रांची विश्वविद्यालय प्रशासन ने 9 जनवरी को मारवाड़ी कॉलेज में कॉमर्स विषय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजीव रंजन शर्मा को प्रोफेसर इंचार्ज के पद नियुक्त किया है। डॉ. राजीव परीक्षा नियंत्रक का दायित्व भी निभा चुके हैं।

एनसएएलसी ओएमपी के साथ वीमेंस ने किया करार

रांची महिला कॉलेज ने छात्राओं और शिक्षकों के बीच तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एनएसएलसी ओएमपी के साथ हाथ मिलाया है। कॉलेज का वेब-प्रौद्योगिकी, क्लाउड-आधारित कंप्यूटिंग और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अंतिम वर्ष के छात्रों को प्रशिक्षण प्रदास करने और प्लेसमेंट में सहायता के लिए एनएस एलसी ओएमपी के साथ एक करार हुआ है। 7.01.2022 शुक्रवार को कॉलेज की प्राचार्या डॉ. शमशुन नेहार और एनएसएलसी ओएमपी के प्रतिनिधि ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। मौके पर ट्रेनिंग और प्लेसमेंट टीम की सदस्य- डॉ. विजयता, डॉली कुमारी और हर्षिता सिन्हा मौजूद थी।

रांची विवि ने 17 कॉलेजों के दो सत्र को दी संबद्धता

- ~~प्रभारी कुलपति ने की समिति की बैठक~~

रांची विश्वविद्यालय से संबद्ध 17 कॉलेज में संचालित होने वाले स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) कोर्स को कुछ निर्देशों के साथ दो सत्र की संबद्धता दी गयी है। इनमें से कुछ कॉलेजों में नये विषयों के लिए केवल एक सत्र की ही संबद्धता प्रदान की गयी।

प्रभारी कुलपति डॉ. कामिनी कुमार की अध्यक्षता में 8.01.2022 को आयोजित संबद्धता समिति की बैठक में इस मुद्दे पर निर्णय लिया गयै। बैठक में कुछ 17 एजेंडो को रखा गया था। सब बैठक में साइंस डीन डॉ. कुनूल कुंदीर, डीएसडब्ल्यू डॉ. राजकुमार शर्मा, कॉमर्स डीन डॉ. सुदेश साहू, डॉ. टीएन साहू, कुलसचिव डॉ. मुकंद चंद्र मेहता, डॉ. प्रीतम कुमार, डॉ. राजीव कुमार सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे।

इन कॉलेजों को संबद्धता – डुमरी कॉलेज, संत पॉल कॉलेज, बसिया कॉलेज, केओ कॉलेज, रातू, रामटहल चौधरी कॉलेज, संत जेवियर कॉलेज, सिमडेगा, सिल्ली कॉलेज, यूकेएस कॉलेज-डकरा, एसके बागे कॉलेज- कोलेबिरा, संजय गांधी मेमोरियल कॉलेज, मौलाना आजाद कॉलेज, गोस्सनर कॉलेज, योगदा सत्संग कॉलेज, निर्मला कॉलेज, संत पॉल कॉलेज, फ्लोरेंस कॉलेज ऑफ नर्सिंग व कॉलेज ऑफ लाइफ साइंस- तुपुदाना।

रांची विवि ला रहा उरकुंड, चोरी कर थीसिस बनाना पड़ेगा महंगा

- ~~यूजीसी ने दिया है सभी विवि को लागू करने का सख्त निर्देश~~
- ~~इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से मिलेगा सर्टिफिकेट~~

पीएचडी थीसिस में फर्जीवाड़े को रोकने के लिए रांची विवि ने एंटी प्लगिरिसम सॉफ्टवेयर 'उरकुंड' को प्रभावी करने का निर्णय लिया है। इसके माध्यम से थीसिस में साहित्य की चोरी का पता चलेगा। साथ ही चोरी के साहित्य का प्रतिशत कितना है, इसकी भी जानकारी इस सॉफ्टवेयर से चल जायेगी। रांची विवि में उरकुंड शुरू करने की तैयारी चल रही है।

थीसिस जमा करने से पहले उरकुंड में होगी जांच

शोधार्थियों को पीएचडी थीसिस जमा करने के पहले इसकी जांच उरकुंड से करानी होगी। उरकुंड से मिले प्रमाण पत्र को थीसिस के साथ जमा करना होगा। उरकुंड में जैसे ही किसी थीसिस को अपलोड किया जाता है, तो वह अपने पास उपलब्ध पूर्व में हो चुके शोध, साहित्य के संग्रह से उसका मिलान करता है। इसमें यह मालूम चल जाता है कि शोध के साहित्य को यदि कहीं से कॉपी है, उसका प्रतिशत कितना है। इसके बाद विवि यह तय करता है कि कोई भी शोधार्थी किसी साहित्य का कितना प्रतिशत कॉपी कर सकता है।

उरकुंड को जानें

सॉफ्टवेयर उरकुंड को स्वीडन की एक कंपनी ने बनाया है। यह सॉफ्टवेयर किताबों को मिलान कर पूर्व में हुए शोध और लेखन से मिल रही सामग्री की जानकारी देता है। उसमें सुधार का मौका भी देता है, जिससे कॉपीराइट की संभावनाएं कम हो जाता हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने शोध के नये नियमों में इस प्रभावी कर दिया है।

कुलपति ने कहा

रांची विवि की कुलपति डॉ. कामिनी कुमार ने कहा कि सॉफ्टवेयर उरकुंड को जल्द शुरू करने की तैयारी है। इसका उद्देश्य शोध में किसा गड़बड़ी को रोकना है।

~~रांची विवि ने एमबीबीएस की दोनों छात्राओं को किया पास~~

- ~~आरटीआइ के तहत दोनों छात्राओं ने देखी थीं अपनी उत्तर पुस्तिकाएं, पास होने का किया था दवा~~
- ~~बाद में गुम हो गयी थी दोनों छात्राओं की उत्तर पुस्तिकाएं ग्रिवांस सेल में रखा गया था यह मामला~~

~~रांची विश्वविद्यालय में कुछ दिन पहले एमबीबीएस की दो छात्राओं की उत्तर पुस्तिकाएं गुम होने का मामला सामने आया था। इसके बाद रांची विश्वविद्यालय प्रशासन ने कोतवाली थाने में इस मामले को लेकर अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी थी। हालांकि, गुम हुई उत्तर पुस्तिकाएं अब त नहीं मिली हैं। लेकिन, रांची विवि ने दोनों मेडिकल की छात्राओं को उत्तीर्ण घोषित कर दिया है। इसमें एक का नाम अलबीणा एक्का और~~

दूसरी का नीलू कुमारी है। रांची विवि में एमबीबीएस फाइनल ईयर का रिजल्ट पिछले साल 25 जुलाई को आया था, जिसमें ये दो छात्राएं असफल हुई थी। आरटीआइ के तहत उत्तर पुस्तिकाएं देखने के बाद दोनों छात्राओं ने पास होने का दावा किया था। बाद में दोनों की उत्तर पुस्तिकाएं गुम हो गयीं। इसके बाद पिछले चार महीने से दोनों छात्राएं विवि और रिम्स का चक्कर लगा रही थीं। वहीं, उत्तर पुस्तिकाएं नहीं मिलने पर दोनों छात्राओं के मामले को ग्रिवांस सेल से रखा गया।

आरयू: ऑफलाइन कक्षाओं पर 15 जनवरी तक रोक

रांची विश्वविद्यालय प्रशासन ने 15 जनवरी तक सभी ऑफलाइन कक्षाओं पर रोक लगा दी है। 4.01.2022 को कुलपति डॉ. कामिनी कुमार की अध्यक्षता में कोविड सेल की बैठक डीन ऑफिस में हुई।

इसमें राज्य सरकार के आपदा प्रबंधन समिति की ओर से लिये गए निर्णय के आलोक में बैठक में कक्षाओं और परीक्षाओं के संचालन पर निर्णय लिया गया। इसके तहत स्नातक और स्नातकोत्तर की सभी कक्षाएं ऑनलाइन होंगी। हालांकि, शिक्षकों को ऑनलाइन क्लास के लिए कॉलेज/विभाग में आना जरूरी होगा। कॉलेज व विश्वविद्यालय प्रशासनिक कार्यों के लिए पूर्व की भांति खुले रहेंगे। पीएचडी वायवा ऑनलाइन या ऑफलाइन मोड में संपन्न कराए जा सकते हैं। लेकिन, पीएचडी का प्री सबमिशन सेमिनार ऑफलाइन मोड में ही होगा। स्नातक के सेमेस्टर-1 और सेमेस्टर-3 का मिड सेम मार्क्स 10 जनवरी तक जमा करने का निर्देश दिया गया है। बैठक में रजिस्ट्रार डॉ. मुकुंद चंद्र मेहता, परीक्षा नियंत्रक आशीष कुमार झा आदि उपस्थित थे।

मारवाड़ी कॉलेज ने एक साल में 300 से अधिक विद्यार्थियों का कराया प्लेसमेंट

- अलग-अलग कंपनियों में हुआ 360 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट
- प्लेसमेंट से पहले कॉलेज में दी जाती है विद्यार्थियों को ट्रेनिंग

रांची विश्वविद्यालय का ऑटोनोमस मारवाड़ी कॉलेज ने रेगुलर और वोकेशनल कोर्स में विद्यार्थियों को बेहतर रोजगार दिलाने में आगे हैं। पिछले एक साल में यहां के 300 में अधिक विद्यार्थियों का कैंफस प्लेसमेंट हुआ है। वहीं, कई विद्यार्थियों का प्लेसमेंट अभी प्रक्रिया में है। आने वाले समय में कॉलेज में और भी कंपनियों को बुलाने की तैयारी चल रही है। मारवाड़ी कॉलेज में स्नातक, स्नातकोत्तर, वोकेशनल कोर्स के विद्यार्थियों 360 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट हुआ है। इसमें विप्रो, कांगनिजेंट, टीसीएस, इंफोसिस, कैब जैमिनी, पिरामल हेल्थ, डेक्कन आइ सर्विसेज और माइंड ट्री जैसे कंपनियों ने चयन की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन आयोजित की थी। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि कॉलेज का प्लेसमेंट सेल लगातार काम करते हुए बेहतर कर रहा है। हम आने वाले समय में प्लेसमेंट का आंकड़ा बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। उम्मीद है कि हमारे अधिक से अधिक विद्यार्थियों को रोजगार मिलेगा।

कॉलेज कराता है प्लेसमेंट की तैयारी - कॉलेज के प्लेसमेंट सेल के को-ऑर्डिनेटर डॉ आर आर शर्मा और असिस्टेंट को-ऑर्डिनेटर अनुभव चक्रवर्ती समय-समय पर विद्यार्थियों के बेहतर स्किल के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करते हैं। उन्हें इंटरव्यू शामिल होने और टेस्ट देने का प्रशिक्षण दिया जाता है। जो विद्यार्थी नियमित प्रशिक्षण में आते हैं, उनको फायदा होता है और प्लेसमेंट में बेहतर अवसर प्रदान होता है।

कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर रांची विवि कोविड सेल की बैठक में कई निर्णय

कैंपस नहीं आयेंगे छात्र, ऑनलाइन चलेगी क्लास

- 10 जनवरी से होने वाली इंजीनियरिंग बैकलॉग ऑफलाइन परीक्षा हुई स्थगित, कुलपति ने की बैठक की अध्यक्षता

रांची विवि अंतर्गत सभी कॉलेजों व स्नातकोत्तर विभागों में विद्यार्थियों को कैंपस में बुलाने पर रोक लगा दी गयी है। 15 जनवरी 2022 तक सभी कक्षाएं ऑनलाइन होगी। जिन कॉलेजों व विभागों में सेमेस्टर परीक्षा होने वाली है या चल रही है, उसे आऑनलाइन मोड में लेना है। सभी कॉलेज व विभाग में नियमित, अनुबंध, घंटी आधारित शिक्षक/शिक्षिकाएं व गेस्ट फेकल्टी नियमित रूप से आयेंगे, रूटीन के अनुसार ही ऑनलाइन कक्षा लेंगे। साथ ही प्रशासनिक कार्य निबटायेगें।

उक्त निर्णय 4.01.2022 को रांची विवि कोविड सेल की बैठक में लिये गये। इसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो कामिनी कुमार ने की। कोरोना के प्रसार व राज्य सरकार की ओर से जारी निर्देश के आलोक में विवि ने यहकद उठाया है। बैठक में निर्णय लिया गया कि 10 जनवरी 2022 से आरंभ हो रही इंनजीनियरिंग बैकलॉग परीक्षा को फिलहाल स्थगित कर दी गयी है। कॉलेजों व विभागों में गेस्ट फेकल्टी व घंटी आधारित शिक्षक अपनी उपस्थिति दर्ज करायेंगे। पांच जनवरी 2022 को गुरुगोविंद सिंह जयंती की छुट्टी रहने के कारण सभी निर्देश छह जनववी 2022 से लागू होंगे।

विवि के प्रवक्ता सह उप-कुलसचिव डॉ. प्रीतम कुमार ने बताया कि कॉलेज और विवि मुख्यालय व इससे जुड़े कार्यालय में प्रशासनिक कार्यों के लिए पूर्व की भांति खुले रहेंगे। पीएचडी वाइवा ऑनलाइन या ऑफलाइन मोड में कराये जा सकेंगे, जबकि प्री सब-मिशन सेमिनार ऑफलाइन मोड में होगा। बैठक में भी निर्णय लिया गया कि सेमेस्टर एक व सेमेस्टर तीन का मिड सेमेस्टर परीक्षा मार्क्स या प्रैक्टिकल के मार्क्स 10 जनवरी 2022 तक व पीजी के सेमेस्टर दो के मिड सेमेस्टर का मार्क्स भी 10 जनवरी 2022 तक निश्चित रूप से जमा करना है। बैठक में रजिस्ट्रार डॉ. मुकुंद चंद्र मेहता, परीक्षा नियंत्रक डॉ. आशीष कुमार झा, वित्त पदाधिकारी डॉ. एएन शाहदेव, सभी डीन, मारवाड़ी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार, निर्मला के प्राचार्य सिस्टर ज्योति, इडीपीसी निदेशक डॉ. ज्ञान सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

कृषि कॉलेजों में ऑफलाइन कक्षाएं और परीक्षाएं स्थगित

कोरोना महामारी व राज्य सरकार के निर्देश के आलोक में बिरसा कृषि विवि अंतर्गत सभी 11 कॉलेजों में यूजी, पीजी, पीएचडी की ऑफलाइन कक्षाएं व सभी परीक्षाएं तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दी गयी

है। कोरोना गाइडलाइन के मुताबिक सभी कक्षाओं एवं परीक्षाओं का संचालन डिजिटल माध्यम में ऑनलाइन होगा। सभी संकायों एवं कॉलेजों में रह रहे विद्यार्थियों को तत्काल प्रभाव से हॉस्टल खाली करने का आदेश दिया गया है।

विवि में अवस्थित सभी गेस्ट हाउस, सभागार एवं खेल मैदानों का आवंटन भी तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया गया। इसके अलावा विवि कर्मियों की ओर से भीड़ लगाने, पान, गुटका, सिगरेट एवं तंबाकू के सेवन पर भी पाबंदी लगा दी गयी है। उक्त निर्णय सोमवार को कुलपति डॉ. ओंकारनाथ सिंह की अध्यक्षता में कोविड सेल की बैठक में लिया गया। कुलपति ने संबंधित इकाइयों में कार्यालय प्रधान व प्रभारियों की ओर से सख्ती से पालन कराने का निर्देश दिया है। बैठक में निर्णय लिया गया कि विवि के सभी कर्मियों को कोरोना का दो टीका लेना अनिवार्य होगा। विवि व कार्यालय परिसर में सामाजिक दूरी का पालन, फेस कवर/ मास्क लगाना व सैनिटाइजेशन अनिवार्य किया गया। सभी के लिए मोबाइल आरोग्य सेतु डाउनलोड करना अनिवार्य किया गया है। बैठक में डॉ. ए वदूद, डॉ. एसके पाल, डॉ. सुशील प्रसाद, डॉ. एन कुदादा, डॉ. एमएस मल्लिक, डॉ. एमके गुप्ता, डॉ. डीके शाही, डॉ. पीके सिंह, ज्ञान सिंह डोसाईबुरु आदि उपस्थित थे।

देबी प्रसाद मेमोरियल लाईब्रेरी एंड रिसर्च सेंटर की शुरुआत

रांची विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज (आईएलएस) में दिवंगत अधिवक्ता देबी प्रसाद की स्मृति में देबी प्रसाद मेमोरियल लाइब्रेरी एंड रिसर्च सेंटर 8.01.2022 को शिक्षकों, शोधार्थियों व विद्यार्थियों को समर्पित किया गया।

झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद ने इसका ऑनलाइन उद्घाटन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ. कामिनी कुमार ने की।

जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद ने कहा कि देबी प्रसाद के परिवार के सदस्यों की ओर से विश्वविद्यालय की लाईब्रेरी में दान की गई पुस्तकें अमूल्य हैं, जिनका लाभ कानून के छात्रों को शोध कार्य करने में होगा। उन्होंने कहा कि ये सारी पुस्तकें आनेवाली पीढ़ियों के लिए धरोहर सिद्ध होगी। कार्यक्रम से सेवानिवृत्त न्यायाधीश अमरेश्वर सहाय ने कहा कि अपने के पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए उन्होंने अपने अधिवक्ता के कार्यकाल में गरीबी के केस का निःशुल्क लड़ा। इंसटीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज के संस्थापक निदेशक प्रो ज्योति कुमार ने कहा कि उनके पिता देबी प्रसाद जीवन पर्यंत गरीबों के प्रति सहानुभूति और वकालत के पेशे के साथ ईमानदारी बरती। उन्होंने कानून के छात्रों को मानवीय मूल्यों को आत्मसात करने को कहा।

कुलपति डॉ. कामिनी कुमार ने कहा कि इस लाईब्रेरी से कानून के शिक्षकों, विद्यार्थियों और शोधार्थियों को लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में रजिस्ट्रार डॉ. मुकुंद चंद्र मेहता, सीसीडीसी डॉ. राजेश कुमार, सीवीएस निदेशक डॉ. स्मृति सिंह और डीन विवि संकाय डॉ. पंकज चतुर्वेदी उपस्थित थे। इसके अलावा सभी विद्यार्थी कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़े थे। संचालन डॉ. भाटिया ने किया।

शिक्षक-छात्र अनुपात में शिक्षकों की नियुक्ति करना आवश्यक होगा

17 कॉलेजों के बीए व एमए कोर्स को संबद्धता विस्तार

- **सभी कॉलेजों को शिक्षक-छात्र अनुपात में शिक्षकों की नियुक्ति करना आवश्यक होगा।**
- **नए संबद्धता वाले विषयों में सिर्फ एक सत्र के लिए ही संबद्धता विस्तार को अनुशंसा की गई।**

रांची विश्वविद्यालय के अंतर्गत 17 कॉलेजों में संचालित स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों को दो सत्रों के लिए अस्थायी संबद्धता विस्तार दिया है। इसके तहत विश्वविद्यालय की संबद्धता समिति ने स्नातक पाठ्यक्रम के लिए अकादमिक सत्र 2022-25 व 2023-26 और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के ळिए अकादमिक सत्र 2022-24 व 2023-25 के लिए संबद्धता विस्तार किया।

यह भी निर्णय लिया गया कि सभी कॉलेजों को शिक्षक-छात्र अनुपात में शिक्षकों की नियुक्ति कराना आवश्यक होगा, अन्यथा शिक्षकविहीन विषय में संबद्धता रद्द कर दी जाएगी। साथ ही, प्रयोगिक विषयों में सुसज्जित प्रयोगशाला होना आवश्यक होगा, अन्यथा अगले सत्र से संबद्धता पर विचार नहीं होगा। इसके अलावा नए संबद्धता वाले विषयों में सिर्फ एक सत्र के लिए ही संबद्धता विस्तार की अनुशंसा की गई है। जिन कॉलेजों के पाठ्यक्रमों को संबद्धता विस्तार दिया गया है, उनमें- सेंट पॉल्स कॉलेज, डुमरी कॉलेज, बसिया कॉलेज, केओ कॉलेज रातू कॉलेज, आरटीसी कॉलेज ओरमांझी, सेंट जेवियर्स कॉलेज, सिमडेगा कॉलेज, सिल्ली कॉलेज, यूकेएस कॉलेज डकरा, संजय गांधी मेमोरियल कॉलेज पंडरा, गोस्सनर कॉलेज, योगदा सत्संग कॉलेज, निर्मला कॉलेज, फ्लोरेंस कॉलेज पारा मेडिकल साइंस इरबा और कॉलेज ऑफ लाइफ साइंसेस, तुपुदाना शामिल हैं। कॉलेज ऑफ लाइफ साइंसेस में बीएससी इन मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी को सत्र 2022-23, 2023-24 और 2024-25 के लिए संबद्धता विस्तार दिया गया है।

संबद्धता समिति की शनिवार को हुई बैठक की अध्यक्षता कुलपति डॉ. कामिनी कुमार ने की। इसमें डॉ. कुनुल कंदीर, डॉ. सुदेश साहू, डॉ. टीएन साहू, डॉएसडब्लू डॉ. आर के शर्मा, रजिस्ट्रार डॉ. मुकुंद चंद्र मेहता, सीसीडीसी डॉ. राजेश कुमार, डॉ. प्रीतम कुमार, डॉ. जगदीश महतो आदि उपस्थित थे।

वीमेंस कॉलेज व नदी फाउंडेशन के बीच एमओयू

- **378 छात्राओं को हाल ही में कॉलेज की इन प्रशिक्षण योजना के तहत पांच अलग-अलग बैच बनाकर प्रशिक्षण दिया गया**

वीमेंस कॉलेज ने अपनी छात्राओं के मानकों में बहुआयामी सुधार के लिए नंदी फाउंडेशन के साथ करार किया है, जो महिंद्रा प्राइड क्लासरूम के माध्यम से महिंद्रा एंड महिंद्रा की कॉर्पोरेट सामाजिक

जिम्मेदारी का ख्याल रखता है। 8.10.2022 शनिवार को कॉलेज की प्राचार्या डॉ. शमशुन निहार एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

इस करार के तहत रोजगार योग्यता कौशल प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित छात्राओं को डिजिटल मार्केटिंग, पायथन कोडिंग और न्यू-एजुकेटर प्रशिक्षण योजनाओं, जैसे उद्योग से संबंधित पाठ्यक्रमों पर आगे प्रशिक्षित किया जाएगा। महिंद्रा एंड महिंद्रा के नंदी फाउंडेशन ने भी सभी प्रशिक्षित छात्राओं को प्लेसमेंट गतिविधियों में भी सहायता करने का आश्वासन दिया है। हाल ही में कॉलेज की 378 छात्राओं को इस प्रशिक्षण योजना के तहत पांच अलग-अलग बैच बनाकर प्रशिक्षण दिया गया। इन बैचों के सफल समापन पर फाउंडेशन के प्रतिनिधि ने कॉलेज को दो प्रिंटर भेंट किए।

कॉलेज की प्राचार्य डॉ. शमशुन निहार ने इस तरह की पहल करने के लिए महिंद्रा एंड महिंद्रा के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कॉलेज की प्रशिक्षण और प्लेसमेंट टीम डॉ. विजयता, डॉली कुमारी और हर्षिता सिन्हा की भी सराहना की।

सिंडिकेट में दीक्षा समारोह का बजट हुआ पास

रांची विश्वविद्यालय में 8.01.2022 को सिंडिकेट की आपात बैठक हुई। अध्यक्षता कुलपति डॉ. कामिनी कुमार ने की। इसमें चार फरवरी को होने वाले 35वें दीक्षा समारोह पर सहमति दी गयी। साथ ही दीक्षा समारोह के लिए 10.5 लाख रूपये के बजट पर सहमति दी गयी। बैठक में कुलसचिव डॉ. मुकुंद चंद्र मेहता, डॉ. आर के शर्मा, डॉ. टीएन साहू, डॉ. हरि उरांव, मारवाड़ी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार और डोरंडा कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बीपी वर्मा मौजूद थे।

रेडियो खांची ने चलाया दो डोज का दम अभियान

रांची विवि के सामुदायिक रेडियो खांची, एसीटी और स्मार्ट एनजीओ के कार्यक्रम दो डोज का दम कोरोना जागरूकता अभियान के अंतर्गत 8.01.2022 को वार्ड नंबर में ऑन ग्राउंड एक्टिविटी हुई। रेडियो खांची ने 15 से 18 वर्ष के विद्यार्थियों के लिए वैक्सीनेशन कैंप लगाया। इसमें 31 विद्यार्थियों को पहली खुराक मिली। साथ ही कोरोना से बचाव की ग्राइडलाइन को फॉलो करने के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर आरजे रंजन, शिल्पी, वैभवी, पार्षद नकुल तिर्की और बिरसा हाइस्कूल की प्राचार्या सुषमा तिवारी मौजूद थीं।

राँची विवि

रांची विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. कामिनी कुमार ने विवि मुख्यालय शहीद चौक और मोरहाबादी कैंपस स्थित बेसिक साइंस बिल्डिंग में झंडोत्तोलन किया। उन्होंने कहा कि अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों का भी ख्याल रखना चाहिए।

मतदान करना सबकी नैतिक जिम्मेदारी : कामिनी कुमार

रांची विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस बेसिक साइंस बिल्डिंग परिसर में आयोजित किया। इस अवसर पर विवि की कुलपति डॉ. कामिनी कुमार ने कहा कि मतदान करना सबकी नैतिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की उम्र वाले सभी लोग मतदाता बनते हैं एवं युवा मतदाता किसी भी राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण होता है। भारतीय प्रजातंत्र में निर्वाचन का महत्व है एवं हमें निश्चित रूप से अपने अनुकूल योग्य व्यक्तियों को मतदान कर जिताना चाहिए। ताकि देश और राज्य का विकास हो सके। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाते हुए मतदान के महत्व को बताने का कार्य सभी क्षेत्रों में करती है। जिसमें विशेष रूप से युवाओं को प्रेरित करके मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए अपील करती है। उन्होंने एनएसएस के स्वयंसेवकों को जाति, पंथ, भाषा एवं किसी भी प्रलोभन को नकारते हुए स्वयं के महत्व को समझने और दूसरों को भी प्रेरित करने की सलाह दी।

आरयू डॉ. स्मृति और डॉ. आनंद अब नहीं रहेंगे को-ऑर्डिनेटर

एक व्यक्ति एक पद की प्रक्रिया रांच विश्वविद्यालय ने शुरू कर दी है। इसके तहत इंस्टीट्यूट ऑफ लगल स्टडीज की को-ऑर्डिनेटर डॉ. स्मृति सिंह और योग विभाग के को-ऑर्डिनेटर डॉ. आनंद कुमार ठाकुर को हटा दिया गया है। इस संबंध में विवि की ओर से नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया है। हालांकि रिवि में अभी भी कई ऐसे शिक्षक हैं जो वर्तमान में दो और तीन पदों पर काम कर रहे हैं।

टीआरएल. नौ भाषाओं में नामांकन की नयी प्रक्रिया शुरू

रांची विश्वविद्यालय के बीजी क्षेत्रीय एरं जनजातीय भाषा के अंतर्गत संचालित हो रहे नौ भाषाओं के विभागों में इस बार सभी विषयों के विद्यार्थियों ने नामांकन के लिए आवेदन दिया है। हालांकि इस बार विभागों ने नामांकन की प्रक्रिया बदल दी है। पहले मेरिट लिस्ट निकलने के बाद विद्यार्थी नामांकन ले लेते थे। इस वर्ष दूसरे विषयों के विद्यार्थी होने के कारण इंटरव्यू लिया जा रहा है। कुछ ऐसे विषय हैं, जिसमें इसबार दूसरे विषय के विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। इसमें नागपुरी और कुरमाली से सबसे अधिक आवेदन आये हैं। टीआएल के को ऑडिनेटर डॉ. हरि उरांव ने बताया कि इंटरव्यू का उद्देश्य विद्यार्थियों का उस विषय में ज्ञान का स्तर पता लगाना है।

मारवाड़ी कॉलेज में लगा टीका शिविर

कोविड टीकाकरण अभियान के तहत मारवाड़ी कॉलेज की एनएसएस इकाई की ओर से 14.01.2022 शुक्रवार को एलपी पब्लिक स्कूल में टीकाकरण शिविर का आयोजन प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार के नेतृत्व में किया गया।

शिविर में लगभग 200 से अधिक किशोरों ने को-वैक्सीन की पहली खुराक ली। शिविर के आयोजन में विजय कुमार मिश्र, जितेंद्र पाठक का महत्वपूर्ण योगदान रहा। शिविर में मारवाड़ी कॉलेज की एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रीता कुमारी, अनुभव चकवर्ती आदि की मौजूदगी रही।

डीपीएफएम पहले बैच की टॉपर बनी वर्षा

मारवाड़ी कॉलेज के डिजिटल फोटोग्राफी एवं फिल्म निर्माण (डीपीएफएम) डिप्लोमा कोर्स के प्रथम बैच 2020-2021 सत्र का रिजल्ट घोषित कर दिया गया है। वर्षा कुमारी 77.88 प्रतिशत अंक लाकर प्रथम बैट की टॉपर बनीं, जबकि चन्द्रदेव सिंह 77.50 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे स्थान पर और सिम्पी कुमारी 76 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। तीनों टॉपर डिस्टिंक्शन के साथ उत्तीर्ण हुए हैं, जबकि शेष सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए।

डिजिटल फोटोग्राफी एंड फिल्म निर्माण का डिप्लोमा कोर्स झारखंड में पहली बार मारवाड़ी कॉलेज में शुरू किया गया है। इस कोर्स की पढ़ाई से विद्यार्थियों को डिजिटल फोटोग्राफी और फिल्म निर्माण के क्षेत्र में करियर बनाने का अवसर मिल रहा है।

पहल : रांची विश्वविद्यालय प्लेसमेंट सेल होगा सेंट्रलाइज्ड

प्लेसमेंट ड्राइव जल्द आयोजित होगा – विश्वविद्यालय के सीवीएस की उप निदेशक डॉ. स्मृति सिंह ने बताया कि इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज के अंतर्गत संचालित बीबीए एलएलबी के लिए प्लेसमेंट ड्राइव जल्द आयोजित किया जाएगा।

रांची विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को बेहतर कैंपस प्लेसमेंट उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर प्रयास शुरू किए गए हैं। इसके तहत विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट को सेंट्रलाइज्ड (केंद्रीकृत) किया जा रहा है। जिसमें विश्वविद्यालय के सभी 22 रेगुलर स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के अलावा 26 वोकेशनल विभाग और सभी कॉलेजों को एक साथ लिंक किया जाएगा।

यह सेंट्रलाइज्ड प्लेसमेंट सेल विश्वविद्यालय एमसीए विभाग के अपग्रेडेड लैब से संचालित किया जाएगा। इसके लिए प्रस्ताव तैयार किया जा चुका है। कोरोना काल में ऑन कैंपस गतिविधियां नहीं होने और कम प्लेसमेंट ड्राइव होने के कारण विश्वविद्यालय के छात्र अच्छे करियर अवसरों से चूक गए। जिसको देखते हुए ऑनलाइन कैंपस ड्राइव व प्लेसमेंट सेल को सशक्त करने की पहल विश्वविद्यालय स्तर पर शुरू कर दी गई है। सेंट्रलाइज्ड प्लेसमेंट सेल में सभी रेगुलर और वोकेशनल विभागों के अलावा कॉलेजों को जोड़ा जाना है।

इसके लिए सभी वोकेशनल विभाग में एक-एक प्लेसमेंट समन्यवक बनाए जाएंगे, जो प्लेसमेंट संबंधी गतिविधियों के संचालन में सहयोग करेंगे। प्लेसमेंट समन्वयक सभी विभाग के साथ समन्वय करेंगे और संबंधित विभागों के विद्यार्थियों का डाटाबेस इनके पास रहेगा।

रांची विवि का 35वां दीक्षांत समारोह चार फरवरी को

- **राज्यपाल होंगे मुख्य अतिथि, तैयारी में जुटा विवि प्रशासन**
- **35 हजार विद्यार्थियों की डिग्री का रास्ता साफ** – इस 35वें दीक्षांत समारोह के चार फरवरी के आयोजन के बाद यूजी और पीजी के लगभग 35 हजार विद्यार्थियों को डिग्री मिलने का रास्ता साफ हो जायेगा। 2021 में पास सभी विद्यार्थियों को डिग्री उनके कॉलेज में भेज दी जायेगी।

रांची विवि का 35वां दीक्षांत समारोह चार फरवरी को दीक्षांत मंडप में आयोजित किया जायेगा। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल रमेश बैस शामिल होंगे। इसमें 2021 में पास यूजी, पीजी और वोकेशनल के टॉपरों को गोल्ड मेडल और बाकी विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जायेगी। राजभवन से पक्ष मिलने के बाद रांची रिवि प्रशासन ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। वहीं, टॉपरों की सूची भी जल्द जारी की जायेगी।

पिछले वर्ष मार्च में हुआ था 34वां दीक्षांत समारोह : रांची विश्वविद्यालय के 34वां दीक्षांत समारोह का आयोजन 2021 में एक मार्च को किया गया था, लेकिन इसका मोड ऑनलाइन था। तत्कालीन राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू ने ऑनलाइन राजभवन से विद्यार्थियों को संबोधित किया था। जिसके बाद कुलपति डॉ. रमेश कुमार पांडेय ने विद्यार्थियों को ऑफलाइन गोल्ड मेडल प्रदान किया था। इसमें कुल 73 टॉपरों को गोल्ड मेडल प्रदान किया गया था। इस 35वें दीक्षांत समारोह में भी लगभग 73 से 74 टॉपरों को गोल्ड मेडल प्रदान किया जा सकता है, विवि प्रशासन की ओर से टॉपरों की लिस्ट तैयार की जा रही है।

एमबीए के 47 विद्यार्थी बिजनेस लॉ में पास

रांची विवि के इंस्ट्यिूट ऑफ मेनेजमेंट स्टडीज और डोरंडा कॉलेज के लगभग 120 विद्यार्थी फाइनल सेमेस्टर के एक पेपर 'बिजनेस लॉ' में फेल हो गये थे। एक कमेटी की जांच के बाद सभी विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाएं मूल्यांकन के लिए बाहर भेजी गयी थी। इसके बाद कुल 47 विद्यार्थी पास हो गये हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. आशीष झा ने बताया कि छात्र हित में उत्तर पुस्तिकाओं का दोबारा मूल्यांकन करवाया गया था।

~~डीएसपीएसयू 18 छात्रों का विप्रो में प्लेसमेंट~~

~~डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि (डीएसपीएसयू) के बीएससी कंप्यूटर एप्लीकेशन और बीएससी इन इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी विभाग के 18 विद्यार्थियों का चनय विप्रो कंपनी में हुआ है। ट्रेनिंग के बाद छह लाख रूपये सालाना पैकेज मिलेगा। चयनित विद्यार्थियों में आशीष पाठक, दिव्या सनी, अनामिका आर्या, सेहित दुबे, कुमार सौरव, बरखा सनी, अंजू कमुारी, रवि रंजन, अंकित राज, आयुष कुमार, हर्ष राज, पायल मंडल, प्रशांत महतो, रितिक मिश्रा, संदीप कुमार, सुमन कुमारी, वीरेंद्र पाठक, हर्षित राज शामिल हैं।~~